

आदेश की क्रम संख्या और तारीख	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर	आदेश पर की गई कार्रवाई में टिप्पणी तारीख के साथ
2/12/2014	<p style="text-align: center;">सारण समाहरणालय, छपरा।</p> <p style="text-align: center;">न्यायालय जिला दंडाधिकारी, सारण, छपरा जिला विधि प्रशाखा आपूर्ति अपील संख्या 29/13 शिवकुमारी देवी बनाम बिहार सरकार(अनुमंडल पदाधिकारी, मद्रौरा) एवं अन्य आदेश</p> <p>संदर्भित अपील आवेदन अनुमंडल पदाधिकारी, मद्रौरा के आदेश ज्ञापांक 1183 दिनांक 11.4.13 के विरुद्ध दायर किया गया है। दायर अपील वाद की सुनवाई की गयी।</p> <p>वाद का संक्षिप्त इतिहास यह है कि दिनांक 2.3.13 को पानापुर प्रखंड अंतर्गत सतजोड़ा पंचायत का औचक निरीक्षण अनुमंडल स्तरीय जॉच दल के द्वारा किया गया। जॉच के क्रम में शिवकुमारी देवी, जन वितरण प्रणाली विक्रेता अनुज्ञापति सं० 29/07 पंचायत सतजोड़ा प्रखंड पानापुर की दुकान से संबंधित निम्नलिखित अनियमितताएँ पाई गयी :</p> <ol style="list-style-type: none"> 1. विक्रेता अपने व्यापार स्थल से अनुपस्थित पाए गए। 2. विक्रेता के द्वारा 27.2.13 को 1050.50 लीटर किरासन तेल का उठाव किया गया, लेकिन जॉच की तिथि तक वितरण प्रारंभ नहीं किया गया था। 3. किरासन तेल भंडार एवं वितरण के सत्यापन में 50.50 लीटर किरासन तेल कम पाया गया। 4. विक्रेता के द्वारा उपभोक्ता सूची, कैशमेममो, प्रपत्र-8 एवं प्रपत्र-20 उपलब्ध नहीं कराया गया। 5. किरासन तेल ढाई लीटर 45 रूपया में वितरण किया जाता है। 6. माह नवम्बर, 2012 से अभी तक खाद्यान्न का वितरण नहीं किया गया है। 7. अन्त्योदय योजना में 25 किलो खाद्यान्न की आपूर्ति की जाती है, जिसमें 10 किलो गेहूँ एवं 15 किलो चावल एक सौ रूपया में दिया जाता है। 8. बी.पी.एल. योजना में 10 किलो गेहूँ एवं 10 किलो चावल 150 रूपया लेकर दिया 	

/s/



जाता है।

अनुमंडल पदाधिकारी, मढ़ौरा के ज्ञापांक 642 दिनांक 5.3.13 के द्वारा विक्रेता से पाई गयी अनियमितताओं के लिए कारणपृच्छा किया गया, जिसके आलोक में विक्रेता के द्वारा अपना जवाब दिया गया। अनुज्ञापन पदाधिकारी के द्वारा विक्रेता के जवाब को असंतोषजनक पाते हुए उनकी अनुज्ञप्ति को तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी गयी।

अनुज्ञप्ति रद्द करने संबंधी प्रश्नगत आदेश को चुनौती देते हुए उपस्थित अपीलकर्त्ता के विज्ञ अधिवक्ता के द्वारा बतलाया गया कि अनुज्ञापन पदाधिकारी के द्वारा निर्गत आदेश ज्ञापांक 1183 दिनांक 11.4.13 में अंकित आरोप के प्रसंग में बिन्दुवार स्थिति निम्नवत् है:

1. जाँच की तिथि को विक्रेता अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित नहीं थे, बल्कि तबीयत खराब होने की वजह से उनके द्वारा प्राधिकृत सोनू कुमार सिंह उपस्थित थे, जिनके द्वारा निरीक्षण कार्य में पूर्ण सहयोग किया गया।
2. दिनांक 27.2.13 को हनुमान वायल से किरासन तेल का उठाव किया गया एवं भौतिक सत्यापन नहीं होने की वजह से जाँच की तिथि तक वितरण कार्य प्रारंभ नहीं किया गया था।
3. 1050.50 लीटर किरासन तेल का उठाव कर वितरण के पश्चात् कूपन कार्यालय में जमा कर दिया गया है।
4. कैंशमेमो अनिवार्य रूप से सभी उपभोक्ताओं का दिया जाता है। साथ ही प्रपत्र-8 और प्रपत्र-20 भी अपने जवाब के साथ विक्रेता के द्वारा संलग्न किया गया था।
5. विक्रेता के द्वारा सरकारी दर पर उचित मात्रा में निगरानी समिति के देख-रेख में वितरण किया जाता है।
6. माह नवम्बर एवं दिसम्बर का खाद्यान्न उपभोक्ताओं के बीच कराकर कूपन कार्यालय में जमा कर दिया गया है। माह जनवरी का खाद्यान्न का उठाव नहीं होने के कारण वितरण नहीं किया जा सका था।
7. विक्रेता के द्वारा 21 किलो चावल एवं 14 किलो गेहूँ 91 रूपया लेकर निगरानी समिति की देख-रेख में वितरण कार्य किया जाता है, जिसकी छायाप्रति विक्रेता के द्वारा समर्पित किया गया था।
8. बी.पी.एल. में 10 किलो गेहूँ एवं 15 किलो चावल सरकारी दर पर 153 रूपया 90 पैसा लेकर निगरानी समिति के देख-रेख में उपभोक्ताओं के बीच वितरण किया



जाता है।

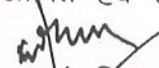
अपीलार्थी के विज्ञ अधिवक्ता के द्वारा विक्रेता की रद्द अनुज्ञप्ति को पुनर्जीवित करने का अनुरोध किया गया।

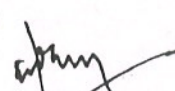
सरकार का पक्ष रखते हुए विज्ञ विशेष लोक अभियोजक के द्वारा बतलाया गया कि विक्रेता पर जो आरोप लगाया गया है, वह अनुज्ञप्ति की शर्तों, विभागीय दिशा-निर्देशों के उल्लंघन का परिचायक है।

उभय पक्षों को सुना तथा अभिलेख का अवलोकन किया। अवलोकनोपरान्त मैं यह पाता हूँ कि अनुज्ञापन पदाधिकारी के द्वारा पूछे गए स्पष्टीकरण में जाँच के समय का उल्लेख नहीं किया गया है। जाँच के समय विक्रेता के द्वारा अधिकृत व्यक्ति की उपस्थिति से जाँच कार्य संभव हो सका। जहाँ तक विक्रेता के द्वारा खाद्यान्न एवं किरासन तेल का वितरण कम मात्रा में अधिक मूल्य लेकर करने के आरोप का प्रश्न है, उस बिन्दु पर किसी भी शिकायतकर्ता के नाम का उल्लेख नहीं होना भी जाँच दल के प्रतिवेदन को कमजोर कर देता है। विक्रेता के द्वारा अपने जवाब के साथ कूपन, प्रपत्र-20 एवं प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी, पानापुर तथा संबंधित पंचायत सतजोड़ा के मुखिया एवं सरपंज के द्वारा हस्ताक्षरित वितरण पंजी की प्रति संलग्न की गयी है। जिसके अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि अपीलार्थी के विरुद्ध लगाए गए आरोप सही नहीं हैं तथा अनुज्ञापन पदाधिकारी का आदेश एक speaking order नहीं है। अतः अपीलकर्ता के द्वारा दाखिल अपील आवेदन को स्वीकृत करते हुए अनुमंडल पदाधिकारी, मढ़ौरा-सह-अनुज्ञापन पदाधिकारी के प्रश्नगत आदेश को निरस्त किया जाता है।

वाद निष्पादित।


लेखापित एवं संशोधित


जिला दंडाधिकारी,
सारण, छपरा


जिला दंडाधिकारी,
सारण, छपरा

ज्ञापांड 1034 दिनांक 17/12/14
प्रतिलिपि- अनुमंडल पदाधिकारी, मढ़ौरा को उक्त LCR
मूल में संलग्न कर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई प्रेषित।
जिला सूचना एवं विज्ञान पदाधिकारी, N9C, साप को
सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई प्रेषित।




वर्तमान उपसहायक
जिला विधिशाखा
15/12/14 साप, छपरा